SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

# इलाहाबाद बैंक

# ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700 001

HEAD OFFICE : 2, NETAJI SUBASH ROAD, KOLKATA - 700 001

## विषय-सूची CONTENTS


| | पृ. सं./Page No. |
|---|---|
| • कार्यपालक निदेशक की कलम से<br>From the Desk of Executive Director | 2 |
| • सूचना/Notice | 4 |
| • बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट<br>Directors' Report of the Bank | 7 |
| • नैगम शासन पर रिपोर्ट<br>Report on Corporate Governance | 18 |
| • नैगम शासन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट<br>Auditors' Reports' on Corporate Governance | 29 |
| • बैंक की वित्तीय विवरणी<br>Financial Statements of the Bank | 30 |
| • बैंक के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट<br>Auditors' Report of the Bank | 49 |
| • समेकित वित्तीय विवरणी<br>Consolidated Financial Statement | 51 |
| • समेकित वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोट<br>Auditors' Report on Consolidated Statment | 67 |
| • ऑल बैंक फाइनेन्स लि. की वित्तीय विवरणी<br>Financial Statements of All Bank Finance Ltd. | 68 |
| • ऑल बैंक फाइनेन्स लि. की वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट<br>Auditors' Report of All Bank Finance Ltd. | 70 |
| • ऑल बैंक फाइनेन्स लि. के निदेशकों की रिपोर्ट<br>Directors' Report of All Bank Finance Ltd. | 75 |
| • इ. सी. एस. हेतु आजापक फार्म<br>Mandate for ECS | 97 |
| • प्रॉक्सी फार्म<br>Proxy Form | 100 |
| • उपस्थिति पर्ची<br>Attendance Slip | 101 |


www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

## कार्यपालक निदेशक की डेस्क से

प्रिय शेयरधारक,

वर्ष 2002-2003 हेतु बैंक के निदेशक मंडल की रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। यह अत्यंत गर्व का विषय है कि आपके बैंक ने महत्वपूर्ण परिचालनगत क्षेत्रों में जिनका ब्योरा रिपोर्ट में दिया गया है, अत्यंत उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन प्रस्तुत किया है।

भारतीय आर्थिक वृद्धि 2001-02 के 5.6% की तुलना में 2002-03 के दौरान घटकर 4.4% हो गई जिसका मुख्य कारण भयानक सूखा था जिससे कृषि क्षेत्र प्रभावित हुआ। इसके बावजूद, विशेष रूप से विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था की प्रतिकूल गतिविधियों तथा मंदी की पृष्ठभूमि में भी निम्न मुद्रास्फीति, विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि में उत्साहवर्द्धक वृद्धि, खाद्यान्न के पर्याप्त स्टाक औद्योगिक विकास के पुनरुत्थान और निर्यात में अत्यधिक वृद्धि वर्ष 2002-03 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की उत्साहवर्द्धक विशेषताएं रहीं।

वित्तीय क्षेत्र के सुधारों के दूसरे चरण ने लाभोन्मुखता तथा ग्राहक केन्द्रिकता के कारण बैंकों के बीच व्यापक आपसी प्रतिस्पर्धा की भावना का विकास किया है। सूचना प्रौद्योगिकी तथा नेटवर्किंग ने जहां एक ओर आधुनिक बैंकिंग सेवाओं हेतु ग्राहकों की अपेक्षाओं में बेतहाशा वृद्धि की है, वहीं दूसरी ओर लेन-देन की लागत में कमी आयी है तथा सूचनाओं के सामयिक एवं त्वरित आदान-प्रदान को सहज बनाया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक ऋण प्रवाह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आसान ब्याज दर व्यवस्था की नीति को अपनाया है। इसके अतिरिक्त गुणवत्तापरक ऋण हेतु प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति से स्प्रेड पर अत्यधिक दबाव बढ़ा है। इस कारण रिटेल बैंकिंग तथा सेवाओं व उत्पादों में नवोन्मेष पर हम ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं।

बदलती हुयी परिस्थितियों ने अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों एवं सर्वोत्तम कार्यप्रणाली के अंगीकरण तथा कॉरपोरेट गवर्नेन्स के क्षेत्रों की ओर ध्यान देने के लिए भी हमें बाध्य कर दिया है। प्रतिभूतिकरण अधिनियम, 2002 का अधिनियम चालू आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम था। इससे बैंकों को अनुपयोज्य आस्तियों की समस्या से ज्यादा बेहतर ढंग से निबटने में सुविधा मिली है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपका बैंक लाभप्रदता में वृद्धि सुनिश्चित कर नयी सेवाओं व उत्पादों की संभावनाओं की तलाश करते हुए व्यवसाय के विस्तार में उद्योग के साथ कदम से कदम मिलाते हुए इन मुद्दों पर सक्रिय रूप से कार्रवाई करता रहा है। बैंक का व्यवसाय यथास्थिति 31.3.2003 को 19.30% की अग्रिम वृद्धि दर्ज कर रु. 13,487 करोड़ तथा 12.3% की जमा वृद्धि दर्ज कर रु. 25,463 करोड़ के साथ 14.7% की वृद्धि दर्ज करते रु. 38,950 करोड़ के स्तर तक जा पहुंचा। उल्लेखनीय रूप से बैंक का रिटेल ऋण संवितरण 101.76% की वृद्धि दर्ज करते रु. 1,447 करोड़ रहा जो बैंक के कुल गैर-खाद्य ऋण का 15.3% है। वर्ष 2002-03 के दौरान बैंक के रिटेल बैंकिंग बुटीकों की कुल आय रु. 175 करोड़ रही। इस अवधि के दौरान ब्याज दर में हो रही कमी अर्थव्यवस्था की दिशा के अनुरूप अग्रिमों पर प्रतिफल 10.11% से घटकर 10.59% हो गया जबकि जमा की लागत 7.20% से घटकर 6.79% हो गई।

यथास्थिति 31.03.2003 को बैंक का सकल निवेश 13.8% बढ़कर रु. 12,476 करोड़ हो गया। 2002-03 के दौरान निवेशों पर प्रतिफल विगत वर्ष के 10.63% से घटकर 9.82% हो गया।

लाभप्रदता के पहलुओं के परिप्रेक्ष्य में आपके बैंक ने 2002-03 के दौरान उल्लेखनीय कार्यनिष्पादन प्रदर्शित किया है। बैंक का निवल लाभ विगत वर्ष के रु. 80.21 करोड़ की तुलना में 2002-03 के दौरान 106.9% बढ़कर अब तक का सर्वाधिक रु. 165.99 करोड़ हो गया। परिचालनगत लाभ विगत वर्ष के रु. 407.98 करोड़ की तुलना में 2002-03 के दौरान 26.2% की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 515.83 करोड़ हो गया।

## From the Executive Director's Desk

Dear Shareholders,

I am pleased to place before you the Report of the Board of Directors' of your Bank for 2002-03. It is heartening that your Bank has excelled its performance in key operational areas, details of which are provided in the Report.

Indian economic growth plummeted to 4.4% during 2002-03 from 5.6% during 2001-02, mainly due to the severe drought affecting agriculture sector. However, low inflation, robust growth in foreign exchange reserves and large stocks of food grains, revival of industrial growth and robust export growth were some of the encouraging features of the Indian economy during 2002-03 particularly, at the backdrop of slowdown and adverse developments in the global economy.

The second-generation financial sector reforms have instilled greater competition among the banks, requiring profit orientation and customer focus from us. Information technology and networking have propelled customer expectations for modernized banking services on the one hand and reduced the cost of transactions and facilitated timely & faster flow of information, on the other. With an eye to boost commercial credit off-take, the Reserve Bank of India has adopted a policy of softer interest rate regime. This apart, competitive situation for quality credit has instigated growing pressure on spread. Thus, retail banking and innovation of services & products are at our focus of attention.

The changing environment has also compelled our attention in the areas of corporate governance and adoption of international standards and best practices. The enactment of Securitisation Act, 2002 was a significant step in the process of on-going economic reforms, facilitating banks to address the problem of non-performing assets in a more comprehensive manner.

You will be pleased to note that your Bank has been addressing these issues and keeping pace with the industry in expanding business, exploring new services & products and ensuring growth in profitability. The Business of the Bank grew by 14.7% to reach the level of Rs.38,950 crores with deposits growth of 12.3% to Rs.25,463 crores and advances growth of 19.30% to Rs.13,487 crores as on 31.3.2003. Notably, disbursement of retail credit of the Bank grew by 101.76% to reach the level of Rs.1,447 crores, forming 15.3% of total non-food credit of the Bank. Earnings from the Bank's Retail Banking Boutiques amounted to Rs.175 crores during 2002-03. In line with the reducing interest rate trend in the economy, yield on advances reduced from 10.59% to 10.11% while cost of deposits declined from 7.20% to 6.79% during the period.

Gross investment of the Bank grew by 13.8% to reach the level of Rs.12,476 crores as on 31.3.2003. Yield on investments declined to 9.82% during 2002-03 from 10.63% in the preceding year.

Considering the aspects of profitability, your Bank has shown remarkable performance during 2002-03. The net profit of the Bank went up by 106.9% to reach the highest ever level of Rs.165.99 crores during 2002-03 as against Rs.80.21 crores in the preceding year. Operating profit grew by 26.4% to Rs.515.83 crores during 2002-03 from Rs.407.98 crores in the previous year.

The financial ratios during 2002-03 testify adequately the strength and soundness of your Bank. The capital adequacy ratio of the Bank stood at 11.15% as 31.3.2003 as against the



www.reportjunction.com

2002-03 के दौरान वित्तीय अनुपात आपके बैंक की आर्थिक सुदृढ़ता तथा मजबूती का पर्याप्त प्रमाण देते हैं। यथास्थिति 31.3.2003 को बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 9% के निर्धारण की तुलना में 11.5% रहा। 2002-03 के दौरान प्रति शेयर आय 5.89% रहा जो 2001-02 के 0.32% की तुलना में 2002-03 के दौरान 0.67% रहा। इस अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी लाभ रु. 0.40 लाख से बढ़कर रु. 0.84 लाख हो गया। प्रति कर्मचारी लाभ इस अवधि के दौरान रु. 153 लाख से बढ़कर रु. 176 लाख हो गया।

अनुपयोज्य आस्तियों के प्रबंधन के क्षेत्र में बैंक का कार्यनिष्पादन उल्लेखनीय है। 2002-03 के दौरान बैंक के सकल एन पी ए के स्तर को रु. 2001.85 करोड़ से घटाकर रु. 1,841.50 करोड़ किया गया। निवल एन पी ए यथास्थिति 31.03.2002 के 11.09% से 4.0% घटकर यथास्थिति 31.03.2003 को 7.08% हो गया।बैंक अपने परिचालन लाभ का काफी बड़ा हिस्सा एन पी ए हेतु प्रावधान के लिए अभी भी आवंटित कर रहा है। अनुपयोज्य आस्तियों की समस्या का सामना करने के लिए प्रतिभूतिकरण अधिनियम 2002 का लाभ उठाने के लिए बैंक के प्रयास जारी हैं। बैंक ने अब तक रु. 476.32 करोड़ हेतु 1,539 खातों में नोटिस जारी किए हैं। हमें आशा है कि अनुपयोज्य आस्तियों के मामले में हम अपनी स्थिति में और सुधार ला सकेंगे।

अभी तक हमने कुल 1,923 शाखाओं के नेटवर्क में 843 शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत कर दिया है। इससे हमारे व्यवसाय का 75.1% कम्प्यूटरीकृत हो गया है। मार्च 2003 तक 47 एटीएम स्थापित किए जा चुके हैं। ग्राहकों को एटीएम की बेहतर सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एटीएम सेवाओं कीपारस्परिक भागीदारी हेतु हमने कॉरपोरेशन बैंक के साथ समझौता किया है। चालू वर्ष के दौरान कम्प्यूटरीकरण पर अत्यधिक बल दिया गया है। हमने मार्च 2004 के अंत तक 80% व्यवसाय को कम्प्यूटरीकृत करने हेतु 400 अतिरिक्त शाखाओं के कम्प्यूटरीकरण की योजना तैयार की है। हमने वर्ष के दौरान और अधिक एटीएम स्थापित करने की योजना बनायी है ताकि मार्च 2004 के अंत तक एटीएम की कुल संख्या 151 हो जाए। इसके अतिरिक्त, 9 प्रमुख शहरों में 100 महत्वपूर्ण शाखाओं में व्यवसाय के लगभग 50% को शीघ्र ही लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी प्रदान किया जाएगा।

बैंक ने ग्रामीण क्षेत्र को ऋण प्रदान किए जाने पर ध्यान दिया जाना जारी रखा। इस प्रकार, बैंक ने प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र अग्रिमों के अंतर्गत विशेष रूप से किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाने, स्वयं सहायता समूहों को जोड़ने, आदर्शग्राम को ऋण प्रदान करने, लघु उद्यमी क्रेडिट कार्ड आदि के क्षेत्र में सर्वोत्तम कार्यनिष्पादन प्रदर्शित किया है। राज्य स्तरीय बैंक समिति के बैंक के संयोजकत्व में झारखंड पर ध्यान दिया जाना जारी रखा गया। बैंक ने सरकार द्वारा प्रायोजित विविध योजनाओं तथा सब्सिडी से जुड़ी निर्धनता उन्मूलन एवं रोजगार निर्माण योजनाओं में भी सक्रिय सहभागिता की।

परिवर्तित बैंकिंग परिदृश्य ने प्रौद्योगिकी आधारित प्रबंधन सूचना प्रणाली सुनिश्चित करते हुए जोखिम प्रबंधन संस्कृति के अंगीकरण को अनिवार्य बना दिया है। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्टाफ को अपेक्षित दक्षता प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। बैंक ने इस दिशा में कदम उठाए हैं।

समग्रतया, अविनियमित बैंकिंग परिदृश्य ने कड़ी चुनौतियों के साथ अप्रत्याशित अवसर प्रदान किए हैं। अनेकानेक चुनौतियों तथा प्रतिकूल स्थितियों के बावजूद सुदृढ़ से सुदृढ़तर होते जाने का बैंक का 138 वर्षों का गौरवपूर्ण इतिहास है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके निरंतर सहयोग तथा संरक्षण से बैंक आने वाले वर्षों में नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

सादर,

आपका

(के. के.रै)
कार्यपालक निदेशक

दिनांक : 17.05.2003
स्थान : कोलकाता

stipulation of 9%. The earnings per share were at 5.89% during 2002-03 as against 3.25% during 2001-02. Return on Assets (ROA) stood at 0.59% during 2002-03 as against 0.32% during 2001-02. Profit per employee rose to Rs.0.87 lacs from Rs.0.40 lacs during the period. Business per employee increased to Rs.183 lacs from Rs.153 lacs during the period.

The performance of the Bank in the areas of non-performing assets management is noteworthy. The gross NPAs of the Bank has been brought down to Rs.1,841.50 crores from Rs.2001.85 crores during 2002-03. Net NPAs was at 7.08% as on 31.3.2003, down by 4.01% from 11.09% as on 31.3.2002. The Bank continues to allocate substantial portion of its operating profit for provision against NPAs. Efforts of the Bank are on to take the advantage of Securitisation Act, 2002 to combat the menace of non-performing assets. The Bank has so far issued in 1,539 accounts involving Rs.476.32 crores. We expect to improve further our position in respect of non-performing assets.

So far, we have 843 computerized branches among a total branch network of 1,923, covering 75.1% of our business under computerization. By March 2003, we have installed 47 ATMs. With an eye to facilitate better access of the customers to ATMs, we have tied up with Corporation Bank for mutual sharing of ATM services. Major thrust has been laid on computerization during current year. We have planned to computerize additional 400 branches, with business coverage of 80% at the end of March 2003. We have also planned to install more ATMs during the year, taking total ATMs to 151 at March-end 2003. Moreover, leased line connectivity of 100 important branches at 9 major cities, covering about 50% business, is on the anvil.

The Bank continued its focused attention for extending rural credit. Thus, the Bank excelled performance under priority sector advances, particularly, in the areas of issuance of Kisan Credit Card, formation and linking of Self-Help Groups, delivery of credit to Model Village, Laghu Udyami Credit Card etc. The state of Jharkhand continued to receive attention, under the convenorship of State Level Bankers' Committee of the Bank. The Bank also took active participation in various Government sponsored and subsidy linked poverty alleviation and employment generation schemes.

The changed banking scenario has necessitated adoption of risk management culture along with ensuring technology driven management information system. This has called for imparting relevant skill of staff through various training programmes. The Bank has taken steps in that direction.

In sum, the deregulated banking environment has offered unprecedented opportunities to us along with stiff challenges. The Bank has an immaculate history of 138 years, pulling through various challenges and odds and grown strength to strength over the years. I am sure with your continued support and patronage, the Bank will scale greater heights in the years to come.

With warm regards,
Yours sincerely,

( K. K. RAI )
EXECUTIVE DIRECTOR

Date: 17th May, 2003
Place: Kolkata



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

## इलाहाबाद बैंक

**प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001**

## सूचना

सूचना दी जाती है कि इलाहाबाद के शेयरधारकों की प्रथम वार्षिक आम बैठक सोमवार, 30 जून, 2003 को प्रातः 11.00 बजे, मुख्य सभा भवन, साइंस सिटी, जे.बी.एस. हाल्डेन एवेन्यू, कोलकाता-700 046 में निम्नलिखित कारोबार का संव्यवहार करने के लिए होगी :

"31.03.2003 की स्थिति के अनुसार बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च, २००३ को समाप्त हुए वर्ष के संबंध में लाभ व हानि लेखा, लेखे से संबंधित अवधि के दौरान बैंक के कार्यचालन और उसकी गतिविधियों पर निदेशकों के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखों पर लेखा परीक्षकों के प्रतिवेदन पर चर्चा करने के लिए।"

वोर्ड के आदेशानुसार

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 17.05.03

(के. के. रै)
कार्यपालक निदेशक

## ALLAHABAD BANK

**Head Office: 2, N.S.Road ,Kolkata -700001**

## NOTICE

NOTICE is hereby given that the First Annual General Meeting of the shareholders of Allahabad Bank will be held on Monday, the 30th June, 2003 at 11 A.M. at Main Auditorium, Science City, J.B.S.Haldane Avenue, Kolkata -700046 to transact the following business:

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31.03.2003, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2003,the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

By order of the Board

Place: Kolkata
Date:17.05.03

(K.K.Rai)
Executive Director

## नोट

### 1. प्राक्सी की नियुक्ति :

बैठक में भाग लेने एवं मतदान करने के पात्र शेयरधारक सदस्य कोअपने स्थान पर बैठक में भाग लेने तथा मतदान करने के लिए प्राक्सी नियुक्त करने का अधिकार है और जरूरी नहीं कि वह प्राक्सी बैंक का शेयरधारक ही हो। प्राक्सी की सूचना बैंक के शेयर विभाग, 2, नेताजी सुभाष मार्ग, कोलकाता-700 001 पर, प्रभावी होने हेतु प्राक्सी वार्षिक आम बैठक प्रारंभ होने से कम से कम चार दिन पहले अर्थात बुधवार, 25 जून, 2003 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले अवश्य ही प्राप्त हो जानी चाहिए, कृपया नोट करें बैंक का कोई कर्मचारी अथवा अधिकारी, इलाहाबाद बैंक सामान्य विनियम, 1999 के अनुसार प्राक्सी नियुक्त नहीं किए जा सकता।

### 2. प्रतिनिधि की नियुक्ति :

कोई भी ऐसा व्यक्ति किसी निकाय कारपोरेट, जो कि शेयरधारक है, के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में बैठक में उपस्थित होने अथवा मतदान करने का तब तक पात्र नहीं होगा जब तक कि वह विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त करने विषयक संकल्प, जिस बैठक में वह पारित किया गया था उसके अध्यक्ष द्वारा सत्यापित प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, की प्रति बैंक के प्रधान कार्यालय केशेयर विभाग, इलाहाबाद बैंक, 2 नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001, को वार्षिक आम बैठक की तारीख से चार दिन पहले अर्थात बुधवार, 25 जून, 2003 को कार्य समय समाप्त होने के समय या उससे पहले जमा नहीं करता है।

कृपया नोट करें, इलाहाबाद बैंक के कर्मचारी या अधिकारी को इलाहाबाद बैंक सामान्य विनियम, 1999 के अनुसार प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता है।

### 3. उपस्थिति पर्ची सह प्रवेश पत्र :

शेयर धारक सदस्यों की सुविधा केलिए उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश पत्र वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयरधारक सदस्यों/प्राक्सीधारकों/

## NOTES

### 1. APPOINTMENT OF PROXY

A Shareholder entitled to attend and vote at the meeting, is also entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself, and such a proxy need not be a Shareholder of the Bank The proxy form in order to be effective ,must be received by the Bank at its Share Department,2,N.S.Road Kolkata-700001 not later than FOUR DAYS before the date of the Meeting i.e. on or before the closing hours of Wednesday, the 25th June,2003 .Please note that any employee or officer of the Bank cannot be appointed as proxy as per provisions of Allahabad Bank General Regulations,1999.

### 2. APPOINTMENT OF A REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as a duly authorised representative, certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank with Share Deptt.,Allahabad Bank,2,N.S.Road.,Kolkata-700001not later than FOUR DAYS before the date of the meeting i.e. on or before the closing hours of Wednesday , the 25th June,2003 .

Please note that an employee or officer of the Bank cannot be appointed as authorised representative as per provisions of Allahabad Bank General Regulations,1999.

### 3. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum Entry Pass is annexed to the Annual Report. Shareholders/Proxy holders/Authorised Representatives are requested to fill in and affix their signatures at the space provided therein and surrender the same at the venue .Proxy



www.reportjunction.com

प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उसमें निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें और उसे बैठक स्थल पर सौंप दें। शेयरधारक के प्राक्सी/प्रतिनिधि को उपस्थिति पर्ची पर 'प्राक्सी' अथवा 'प्रतिनिधि' जैसी भी स्थिति हो उल्लेख करना चाहिए।

## 4. शेयर होल्डरपंजी का बंद रहना :

प्रथम वार्षिक आम बैठक के सिलसिले में और बैंक द्वारा घोषित लाभांश यदि कोई होता है, प्राप्त करने के लिए पात्र शेयरधारक सदस्यों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए सदस्यों की पंजी और बैंक की शेयर अंतरण बहियों सोमवार, 23 जून 2003 से सोमवार 30 जून, 2003 तक (दोनों दिन सम्मिलित) बंद रखी जाएंगी।

## 5. लाभांश :

लाभांश का भुगतान, यदि कोई, बैंक के निदेशक मंडल द्वारा घोषित किया जाता है तो उन शेयरधारकों को किया जाएगा जिनके नाम एन.एस.डी.एल/सी.डी.एस.एल द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर में 21 जून, 2003 को सदस्यों/हिताधिकारी स्वामियों के रूप में हों। ऐसे शेयरधारकों को लाभांश वारंट बैंक के शेयर अन्तरण एजेन्ट मैसर्ज कर्वी कन्सलटेंटस लिमिटेड के माध्यम से लाभांश घोषित किए जाने के ३० दिनों के भीतर प्रेषित कर दिए जाएंगे।

## 6. लाभांश हेतु बैंक अधिदेश या इलैक्ट्रानिक समाशोधन सेवा (ई सी एस) :

क) लाभांश वारंटों की कपटपूर्ण भुनाई से निवेशकर्त्ताओं को बचाने की दृष्टि से सदस्यों से अनुरोध है कि जब कभी बैंक द्वारा लाभांश की घोषणा की जाए वे अपनी बैंक खाता (चालू/बचत), बैंक का नाम और उस शाखा का नाम प्रस्तुत करें जहां वे लाभांश वारंटों को भुनाई हेतु जमा करना चाहते हैं लाभांश वारंट के चेक के एक हिस्से में शेयरधारक के नाम के साथ ये विवरण मुद्रित किए जाएंगे ताकि इन वारंटों को शेयरधारक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं भुनाया जा सके।

उपर्युक्त विवरण प्रथम/एकमात्र धारक द्वय फोलियो संख्या, धारित शेयरों की संख्या, धारिता संबंधी ब्यौरे आदि बताते हुए सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेंट को प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

(ख) बैंक निर्दिष्ट शहरों में रहने वाले शेयरधारकों को ई.सी.एस. की सुविधा प्रदान कर रहा है। लाभांशों को जमा करवाने के लिए, जब कभी भी वे बैंक द्वारा घोषित किए जाएं, शेयरधारक बैंक अधिदेश प्रणाली के बदले में इस सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

## 7. बैंक के शेयरों का बेकाग़ज़ी रूप में (डिमैट) अनिवार्य शेयर व्यापार :

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड द्वारा दिए गए दिशा निदेशों के अनुसरण में सभी निवेशकों के लिए हमारे बैंक के शेयरों का बेकाग़ज़ी रूपमें व्यापार अनिवार्य कर दिया गया है।

बैंक ने नेशनल सिक्यूरिटीज़ डिपोज़िटरी लिमिटेड (एन.एस.डी.एल) और सेन्ट्रल डिपोज़िटरी सर्विसेस (इंडिया) लिमिटेड (सी.डी.एस.एल) से बैंक के शेयरों के बेकाग़ज़ीकरण के लिए निर्गतकर्त्ता कम्पनी के रूप में करार किया है।

बेकाग़ज़ीकरण संबंधी अनुरोध संबंधित डिपोज़िटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर ट्रान्सफर एजेन्ट को भेजे जाएं।

/Authorised Representative of shareholders should state in their Attendance Slip-cum –Entry Pass as 'Proxy 'or 'Authorised Representative' as the case may be .

## 4. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS

The Register of Shareholders and the Transfer Books of the Bank will remain closed from Monday, the 23rd June 2003 to Monday the 30th June ,2003( both days inclusive) in connection with the First Annual General Meeting and for the purpose of determining the shareholder members entitled to receive the Dividend,if any, declared by the Bank.

## 5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend ,if any, declared by the Board of Directors of the Bank , will be paid to those shareholders whose names appear on the Bank's Register of Shareholders/Beneficial Owners as furnished by NSDL/CDSL, as on 21st June 2003.

The dividend warrants to such shareholders would be mailed by the Bank through Share Transfer Agents ,viz. Karvy Consultants Limited, within 30 days from the date of declaration of dividend.

## 6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS)

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to furnish their Bank Account Number(Current/Savings),the name of the Bank and Branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment, whenever Dividend is declared by the Bank

These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend Warrant besides the name of the shareholders ,so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder.

The above mentioned details should be furnished by the first/sole holder ,directly to the Share Transfer Agents at Hyderabad ,quoting the folio number , number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities . This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate system for receiving the credit of dividends,whenever dividend is declared by the Bank.

## 7. COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED(DEMAT) FORM

Pursuant to the directive given by SEBI ,trading of our Bank shares in demateralised form has been made compulsory for all investors.

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd (NSDL) and Central Depository Services (India) Ltd. (CDSL) as an issuer Company for dematerialisation of Bank's shares.

Request for dematerialisation may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share Transfer Agents.



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

## 8. तुलन पत्र की प्रतियां :

शेयरधारक सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियां वार्षिक आम बैठक के स्थान पर वितरित नहीं की जाएंगी अतएव सदस्यों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियां साथ लेकर आए जो उनके पंजीकृत पते पर बैंक द्वारा उन्हें डाक से भेजी गई हैं।

## 9. शेयरधारकों की जिज्ञिसा :

यह सराहनीय होगा अगर शेयरधारकों की कोई जिज्ञासा हो तो वे पर्याप्त समय रहते भेज दें ताकि बैंक को प्रभावी प्रतिक्रिया प्रदान करने में सुविधा हो।

## 10. शेयर अंतरण अभिकर्त्ताओं से पत्राचार :

शेयरधारकों से अनुरोध है कि उनके पंजीकृत पते में परिवर्तन, यदि कोई हो तो, बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेन्ट को निम्नलिखित पते पर सूचित करें।

**मैसर्ज कर्वी कन्सल्टेंट्स लि.**
यूनिट : इलाहाबाद बैंक
46, एवेन्यू 4, स्ट्रीट नं. 1,
बंजरा हिल्स, हैदराबाद-500 034
दूरभाष : 040-3312454, फैक्स 040-3311968

## 11. अन्य सूचना :

शेयरधारक कृपया ध्यान दें कि बैठक में कोई उपहार/कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

## 12. शेयर विभाग तथा निवेशक शिकायत निवारण कक्ष :

शेयरधारकों को त्वरित एवं प्रभावी सेवा प्रदान करने के लिए, बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय में ग्राहक शिकायत निवारण कक्ष स्थापित किया है। किसी भी प्रकार की सेवा/सहायता के लिए शेयरधारक और निवेशक इस पते पर सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं :–

**उपमहाप्रबंधक (वित्त एवं ऑडिट)**

शेयर विभाग एवं निवेशक शिकायत निवारण कक्ष
इलाहाबाद बैंक, प्रधान कार्यालय,
2 नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
दूरभाष : 033-2242 0874
फैक्स : 033-2241 4048
ई-मेल : hgac@allahabadbank.co.in

## 8. COPIES OF BALANCE SHEET

Shareholders are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General Meeting and hence shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report ,which are mailed by the Bank to them at their registered addresses.

## 9. Shareholders' Queries

It will be appreciated if Shareholders submit their queries, if any, sufficiently in advancve to facilitate effective response from the Bank.

## 10. COMMUNICATION WITH SHARE TRANSFER AGENTS:

Shareholders are requested to intimate changes ,if any, in their registered address ,to The Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address:

**M/S. KARVY CONSULTANTS LTD.**
Unit: ALLAHABAD BANK
46,Avenue 4,Street No 1,
Banjara Hills, Hyderabad-500034
Tel 040 3312454 Fax 040 3311968

## 11. OTHER INFORMATION

Shareholders may kindly note that no gift/coupon will be distributed at the meeting.

## 12. SHARE DEPARTMENT & INVESTORS GRIEVANCE CELL

In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders,Allahabad Bank has set up Investors Grievance Cell at its Head Office Kolkata . Shareholders and investors may contact this Cell at the under mentioned address for any assistance:

**The Dy.General Manager (F&A)**
Share Deptt. & Investors Grievance Cell,
Allahabad Bank,Head Office,
2, N.S. Road, Kolkata-700001.
Telephone : 033-2242 0874.
Fax : 033-2241 4048
Email : hgac@allahabadbank.co.in



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

# इलाहाबाद बैंक
# निदेशकों की रिपोर्ट
# अप्रैल २००२ से मार्च २००३

३१ मार्च, २००३ के समाप्त वर्ष हेतु बैंक के लेखा परीक्षित लेखा विवरण सहित वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता हो रही है ।

## प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

### आर्थिक परिदृश्य

भूमंडलीय आर्थिक अनिश्चितताओं के कारण भारतीय आर्थिक आधारों को मजबूत बनाने तथा भारतीय वित्तीय व्यवस्था को स्थिर करने पर लगातार बल देने की आवश्यकता है।

देश का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2001-02 के 5.6% की तुलना में 2002-03 में 4.4% होने का अनुमान है। जीडीपी की वृद्धि में कमी का मुख्य कारण कृषि एवं संबद्ध क्रियाकलापों में पिछले वर्ष के दौरान 5.7% की वृद्धि की तुलना में इस वर्ष 3.1% की गिरावट है। खाद्यान्न उत्पादन पिछले वर्ष के 212.0 मिलीयन टन की तुलना में 2002-03 में 183.2 मिलीयन टन हुआ। औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक 2001-02 के 3.2% की तुलना में 2002-03 में 5.8% बढ़ा। मुख्यतः निर्माण, घरेलू व्यापार एवं यातायात क्षेत्र में तीव्र वृद्धि के कारण सेवा क्षेत्र में 2001-02 के दौरान 6.5% की तुलना में 2002-03 में 7.1% की वृद्धि होने की संभावना है। केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) ने भी यह अनुमान किया है कि वित्त, भू-संपदा एवं व्यवसाय - सेवा क्षेत्र में 2001-02 के दौरान 4.5% की तुलना में 2002-03 में 6.5% की वृद्धि हुई है।

निर्यात एवं आयात, यूएस $ में, पिछले वर्ष के दौरान क्रमशः -0.4% तथा 1.7% की तुलना में 2002-03 के दौरान 17.8% तथा 16.9% बढ़ा। मार्च 2003 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार $21.3 बिलीयन बढ़कर $75.4 बिलीयन होगया। विदेशी मुद्रा भण्डार में सिर्फ एक वर्ष में यह रिकार्ड वृद्धि तेल के मूल्यों मे अंतर्राष्ट्रीय बढ़त के बावजूद हुई।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में औसत आधार पर बढ़त द्वारा निर्धारित वार्षिक मुद्रास्फीति की दर 2001-02 के 3.6% की तुलना में 2002-03 के दौरान 3.3% रही। स्थिर दर लक्ष्य के बिना मांग एवं पूर्ति बाजार स्थितियों का सामना करते हुए भारत की वर्तमान विनियम दर नीति समय की मांग पर खड़ी उतरी है।

उपर्युक्त आर्थिक परिदृश्य ने वाणिज्यिक क्षेत्र को हल्के ब्याज दर पर बैंकों से ऋण प्राप्त करने में हुई वृद्धि महत्वपूर्ण में सहायता की है।

### बैंकिंग परिदृश्य

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक एवं ऋण नीति हल्के ब्याज दर के दौर में पर्याप्त तरलता सुनिश्चत करने पर केन्द्रित रही। विदेशी मुद्रा का निरंतर आगमन, खाद्य ऋण की मांग में गिरावट, सीआरआर में कमी तथा मुद्रास्फीति की निम्न दर ने 2002-03 के दौरान उपर्युक्त लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद की। 2002-03 के दौरान आसान तरलता की स्थिति इस बात से स्पष्ट है कि मुद्रा बाजार लिखतों में ब्याज दर 5.0% से 6.0% के छोटे दायरे में अभिमुख रहा है।

बैंकिंग तंत्र में तरलता को और अधिक सुधारने के लिए बैंक दर में कटौती के बाद आरक्षित नकदी अनुपात (सीआरआर) में कटौती की गई। वर्ष 2002-03 के दौरान बैक दर को 6.50% से कम करके 6.25% किया गया। जबकि सीआरआर को 5.50% से कम करके 4.75% किया गया। 14.06.2003 से सीआरआर को और घटाकर 4.50% किया जाएगा तथा

# ALLAHABAD BANK
# DIRECTORS' REPORT
# APRIL 2002 TO MARCH 2003

The Board of Directors has pleasure in presenting the Annual Report along with the audited Statement of Accounts of the Bank for the year ended 31st March 2003.

## MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

### *ECONOMIC SCENE*

The global economic uncertainties advocate continued focus on strengthening Indian economic fundamentals and stabilization of Indian financial system.

The real Gross Domestic Product (GDP) of the country is estimated to grow by 4.4% in 2002-03 as against 5.6% in 2001-02. The decline in GDP growth can be attributed to fall in agriculture and allied activities by as much as 3.1% as compared to a growth of 5.7% in the previous year. Foodgrain production stood at 183.2 million tonnes in 2002-03 as against 212.0 million tonnes in the previous year. Index of industrial production grew by 5.8% in 2002-03 as against 3.2% in 2001-02. The services sector is estimated to grow by 7.1% in 2002-03 as against 6.5% in 2001-02, mainly on account of higher growth on construction, domestic trade and transport sectors. The Central Statistical Organisation (CSO) has also estimated that financing, real estate and business services sector grew by 6.5% in 2002-03 as against 4.5% in 2001-02.

Exports and imports, in U.S. $ terms, grew by 17.8% and 16.9% respectively during 2002-03 as against –0.4% and 1.7% during the preceding year. Foreign exchange reserves of the country went up by $21.3 billion to $75.4 billion as at March-end 2003. This record increase in foreign exchange reserves in a single year was despite increase in international oil prices.

The annual rate of inflation, measured by increase in Wholesale Price Index (WPI) on average basis, was at 3.3% during 2002-03 as against 3.6% in 2001-02. Exposing to the underlying demand and supply market conditions without a fixed rate target, India's current exchange rate policy has stood the test of the time.

The above economic scene helped substantial increase in credit flow from banks at a softer interest rate to the commercial sector.

### *BANKING SCENE*

The monetary and credit policy of the Reserve Bank of India continued to focus on ensuring adequate liquidity in a softer interest rate regime. Sustained inflow of foreign exchange, decline in food-credit demand, reduction in CRR and lower inflation rate helped achieving the above goal during 2002-03. The easy liquidity condition is evident from convergence of the interest rate in money market instruments to a narrow band of 5.5% to 6.0% during 2002-03.

Reduction in Bank Rate was supplemented by reduction in Cash Reserve Ratio (CRR) to improve further liquidity in the banking system. The Bank Rate was reduced from 6.50% to 6.25% while the CRR reduced from 5.50% to 4.75% during 2002-03. CRR would be further reduced to 4.50% with effect from 14.6.2003 and Bank Rate since reduced to 6% with effect



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

29.4.2003 से बैंक दर घटाकर 6% कर दिया गया है।

धन की आपूर्ति (एम-३) 2001-02 के 14.2% की तुलना में 2002-03 के दौरान बढ़कर 15% होगई। समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियाँ 22.3.2002 को यथास्थिति रु.11,03,360 करोड़ से बढ़कर 21.3.2003 को यथास्थिति रु.12,80,576 करोड़ हो गईं, जो 3.5.2002 को विलय के प्रभाव सहित 16.1% की दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान निवल बैंक ऋण रु.5,89,723 करोड़ से बढ़कर रु.7,25,368 करोड़ हो गया जो 23.0% की वृद्धि दर्शाता है । गैर खाद्य ऋण रु.5,35,745 करोड़ से बढ़कर रु.6,75,889 करोड़ हो गया जो 26.2% की वृद्धि दर्शाता है। ऋण जमा अनुपात (निवल) 22.3.2002 को यथास्थिति 53.4% की तुलना में 21.3.2003 को यथास्थिति 56.6% हुआ। निवेश (सरकारी प्रतिभूतियों एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में) रु.4,38,269 करोड़ से बढ़कर रु.5,43,317 करोड़ हो गया जो 25.1% की वृद्धि दर्शाता है।

आईसीआईसीआई के आईसीआईसीआई बैंक में विलय की घटना भारतीय वित्तीय व्यवस्था में उल्लेखनीय है जिससे वर्ष 2002-03 की कुल मुद्रा एवं कुल ऋण पर प्रभाव पड़ा। सिक्यूरिटाइजेशन एंड रिकन्स्ट्रक्शन ऑफ एसेट्स एंड एनफोर्समेंट ऑफ सिक्यूरिटी इन्टरेस्ट एक्ट, 2002' का अधिनियमन देश में जारी वित्तीय क्षेत्र की सुधार प्रक्रिया में उल्लेखनीय है। बैंकों द्वारा जोखिम आधारित पर्यवेक्षण प्रणाली में स्विचओवर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई (पीसीए) योजना नियामक तंत्र को मजबूत बनाने हेतु भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उठाया गया महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रकार, भारतीय बैंकिंग तंत्र 2002-03 के दौरान दूरगामी प्रभाव का साक्षी रहा है। इस संदर्भ में, जोखिम मॉनिटरिंग, उत्पाद नवोन्मेष एवं विपणन, कम्प्यूटरीकरण तथा सूचना प्रौटोनिकी आदि भारतीय बैंकिंग व्यवस्था के केन्द्र में आ गए हैं। इसके अनुसार बैंक लाभप्रदता तथा कार्यकुशलता में वृद्धि लाने हेतु तकनीक अंगीकरण, विपणन तथा प्रभावी एन पी ए प्रबंधन के लिए प्रसार कर रहा है।

## इलाहाबाद बैंक का कार्यनिष्पादन

2002-03 के दौरान मुख्य व्यवसाय मानदंडों में बैंक का कार्यनिष्पादन निम्नोक्त सारणी में संक्षेप में प्रस्तुत है :

(रु. करोड़ में)

| मानदंड | 31.3.2002 | 31.3.2003 | वृद्धि (%) |
|---|---|---|---|
| निवल लाभ | 80.21 | 165.99 | 106.94 |
| प्रचालनगत लाभ | 407.98 | 515.83 | 26.44 |
| प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय | 327.77 | 349.84 | 6.73 |
| कुल आय | 2,657.75 | 3,094.70 | 16.44 |
| कुल व्यय प्रावधान के बिना | 2,249.77 | 2,578.87 | 14.63 |
| ब्याज स्प्रेड | 730.47 | 909.77 | 24.55 |
| कुल जमाराशियां | 22,666 | 25,463 | 12.34 |
| कुल अग्रिम | 11,305 | 13,487 | 19.30 |
| कुल व्यवसाय | 33,971 | 38,950 | 14.66 |
| निवेश | 10,854 | 12,372 | 13.99 |

## वित्तीय परिणाम

2002-03 के दौरान मुख्य वित्तीय मानदडों में बैंक ने संतोषप्रद कार्यनिष्पादन रिकार्ड किया है जो निम्नोक्त सारणी में प्रस्तुत है :

from 29.4.2003.

The money supply ($M_3$) grew by 15.0% during 2002-03 as against 14.2% during 2001-02. The aggregate deposits of all scheduled commercial banks went up to Rs.12,80,576 crores as on 21.3.2003 from Rs.11,03,360 crores as on 22.3.2002, showing a growth of 16.1% including the impact of mergers since 3.5.2002. Net bank credit increased to Rs.7,25,368 crores from Rs.5,89,723 crores during the same period, posting a growth of 23.0%. Non-food credit grew to Rs.6,75,889 crores from Rs.5,35,745 crores, registering a growth of 26.2%. The credit-deposit ratio (net) stood at 56.6% as on 21.3.2003 as against 53.4% as on 22.3.2002. Investments (in Govt. Securities & other approved securities) increased to Rs.5,43,317 crores from Rs.4,38,269 crores, showing a growth of 25.1%.

The merger of ICICI with ICICI Bank is a notable event in the Indian financial system, impacting the monetary and credit aggregates for the year 2002-03. The enactment of the "Securitisation, Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002" is a landmark in the ongoing financial sector reforms process of the country. The banks have been taking steps, required to switch over to risk based supervision system. The scheme of Prompt Corrective Action (PCA) is an important step taken by Reserve Bank of India to strengthen regulatory mechanism.

Thus, Indian banking system has witnessed reforms of far reaching impacts during 2002-03. In this context, risk monitoring, product innovation and marketing, computerization and information technology etc. have taken centre stage in the Indian banking circle. In line with this, the effort of the Bank is on to adopt technology, emphasise marketing and ensure effective NPAs management for boosting profitability and efficiency.

## PERFORMANCE OF ALLAHABAD BANK

### *OPERATING RESULTS*

The performance of the Bank in key business parameters during 2002-03 is summarized in the following table.

(Rs. in crores)

| Parameter | 31.3.2002 | 31.3.2003 | Growth(%) |
|---|---|---|---|
| Net Profit | 80.21 | 165.99 | 106.94 |
| Operating Profit | 407.98 | 515.83 | 26.44 |
| Provisions & Contingencies | 327.77 | 349.84 | 6.73 |
| Total Income | 2,657.75 | 3,094.70 | 16.44 |
| Total Expenditure (Excl. Prov.) | 2,249.77 | 2,578.87 | 14.63 |
| Interest Spread | 730.47 | 909.77 | 24.55 |
| Total Deposits | 22,666 | 25,463 | 12.34 |
| Total Advances | 11,305 | 13,487 | 19.30 |
| Total Business | 33,971 | 38,950 | 14.66 |
| Investments (net) | 10,854 | 12,372 | 13.99 |

### *FINANCIALS*

The Bank recorded a satisfactory performance under key financial parameters during 2002-03 as presented in the following table.



www.reportjunction.com

| मानदंड | 31.3.2002 | 31.3.2003 |
|---|---|---|
| कुल संपत्ति (रु.करोड़ में) | 747.37 | 938.16 |
| पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%) | 10.62 | 11.15 |
| जिसमें से स्तर I (%) | 6.22 | 6.35 |
| स्तर II (%) | 4.40 | 4.80 |
| औसत कार्यशील निधियों का कीमत-लागत अंतर (%) | 2.93 | 2.94 |
| निधियों की औसत लागत (%) | 7.24 | 6.83 |
| निधियों पर औसत आय (%) | 10.03 | 9.57 |
| जमाराशियों की औसत लागत (%) | 7.20 | 6.79 |
| अग्रिमों पर औसत आय (%) | 10.59 | 10.11 |
| प्रति शेयर आय (रु.) | 3.25 | 5.89 |
| निवल एनपीए (%) | 11.09 | 7.08 |
| प्रति कर्मचारी लाभ (रु.लाख में) | 0.40 | 0.87 |
| प्रति कर्मचारी उत्पादकता (रु.लाख में) | 151 | 183 |

## पूंजी एवं प्रारक्षित निधि

यथास्थिति 31.3.2003 को बैंक की प्रदत्त पूंजी रु.346.70 करोड़ थी। प्रारक्षित निधि पिछले वर्ष के रु.733.86 करोड़ से बढ़कर यथास्थिति 31.3.2003 को रु. 823.59 करोड़ हो गई।

## आरंभिक पब्लिक ऑफर (आईपीओ)

अक्तूबर, 2002 में बैंक ने सममूल्य पर रु.10/- प्रति शेयर का 10 करोड़ आईपीओ जारी किया जिसका कुल मूल्य रु. 100.00 करोड़ है। शेयर हेतु 2.23 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुआ एवं यह 3.68 गुणा ओवर सब्सक्राइब हुआ। इससे बैंक की पूंजी पर्याप्तता अनुपात में वृद्धि होने में मदद मिली।

## कार्यालय एवं शाखाएँ

बैंक का नेटवर्क 31.3.2002 को 1914 से बढ़कर 31.3.2003 को 1923 हो गई जिनमें 959 ग्रामीण, 321 अर्ध-शहरी, 375 शहरी एवं 268 महानगरीय शाखाएँ हैं। बैंक की विशेषीकृत शाखाओं (33) में 4 औद्योगिक वित्त शाखाएँ, 6 अन्तर्राष्ट्रीय शाखा, 1 औद्योगिक वित्त सह अंतर्राष्ट्रीय शाखा, 1 एनआरआई शाखा, 3 त्वरित संग्रहण सेवा शाखाएँ, 1 विशेषीकृत बचत बैंक शाखा, 2 व्यापार वित्त शाखाएँ, 1 विशेषीकृत वाणिज्यिक कृषि वित्त शाखा तथा 16 सेवा शाखाएँ शामिल हैं। यथास्थिति 31.3.2003 को विस्तारपटलों की संख्या 140 है।

### जमा संग्रहण

बैंक की कुल जमाराशियाँ यथास्थिति 31.3.2002 को रु.22,666 करोड़ से 12.34% बढ़कर यथास्थिति 31.3.2003 को रु.25,463 करोड़ हो गई।

कम लागतवाली जमाराशियाँ (चालू एवं बचत बैंक जमारशियाँ) 1 वर्ष पहले के 42.3% की तुलना में यथास्थिति 31.3.2003 को कुल जमाराशियों का 43.2 % थी। कम ब्याज दर के दैर में लाभप्रप्रदता में सुधार लाने हेतु बैंक ने पूरे वर्ष के दैरान कम लागत की जमारशियों के संग्रहण पर बल दिया।

### ऋण अभियोजन

बैंक ने यथास्थिति 31.3.2002 को रु.11,305 करोड़ के कुल अग्रिम में 19.3% की बढ़त बनाते हुए यथास्थिति 31.3.2003 को कुल अग्रिम को रु.13,487 करोड़ तक बढ़ाकर महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज किया। ऋण - जमा अनुपात (सकल) 49.9% से बढ़कर 53.0% हुआ। इस वर्ष के दौरान बैंक का कम मूल उधार12% से घटकर 11.5% हुआ। अग्रिमों पर आय 2001-02 के दौरान 10.59% की तुलना मे 2002.03 में 10.11% हुई।

## ऋण पर्यवेक्षण एवं समीक्षा

बैंक ने ऋण संविभाग की गुणवत्ता में सुधार हेतु पर्याप्त कदम उठाया है। स्लिपेज पर समय रहते अंकुश लगाने हेतु आरंभिक खामियों वाले खातों की शीघ्र पहचान एवं उनका पर्यवेक्षण करना सुनिश्चित किया गया।

| Parameters | 31.3.2002 | 31.3.2003 |
|---|---|---|
| Networth (Rs. in crores) | 747.37 | 938.16 |
| Capital Adequacy Ratio (%) | 10.62 | 11.15 |
| Of which Tier I (%) | 6.22 | 6.35 |
| Tier II (%) | 4.40 | 4.80 |
| Spread to Average Working Fund (%) | 2.93 | 2.94 |
| Average Cost of Funds (%) | 7.24 | 6.83 |
| Average Yield on Funds (%) | 10.03 | 9.57 |
| Average Cost of Deposits (%) | 7.20 | 6.79 |
| Average Yield on Advances (%) | 10.59 | 10.11 |
| Earnings per Share (Rs.) | 3.25 | 5.89 |
| Net NPAs (%) | 11.09 | 7.08 |
| Profit per Employee (Rs. in Lakh) | 0.40 | 0.87 |
| Productivity per Employee (Rs. in Lakh) | 151 | 183 |

### *CAPITAL AND RESERVES*

The Paid Up Capital of the Bank was Rs.346.70 crores as on 31.3.2003. The Reserves went up to Rs.823.59 crores as on 31.3.2003 from Rs.733.86 crores last year.

### *INITIAL PUBLIC OFFER (IPO)*

In October 2002, the Bank issued IPO amounting to Rs.100 crores of 10 crores shares of Rs.10 each on at par basis which was oversubscribed by 3.68 times with more than 2.23 lacs applications. This helped in increasing the Capital Adequacy Ratio of the Bank.

### *OFFICES & BRANCHES*

The network of the Bank increased from 1,914 as on 31.3.2002 to 1,923 as on 31.3.2003, with 959 rural, 321 semi-urban, 375 urban and 268 metropolitan branches. The specialized branches (33) of the Bank included 4 Industrial Finance Branches, 6 International Branches, 1 Industrial Finance-cum-International Branch, 1 NRI Branch, 2 Specialized Personal Banking Branches, 6 SSI Finance Branches, 6 Recovery Branches, 3 Quick Collection Service Branches, 1 Specialized Savings Bank Branch, 2 Trading Finance Branches, 1 Specialized Commercial Agricultural Finance Branch and 16 Service Branches. Extension Counters numbered 140 as on 31.3.2003.

### *DEPOSIT MOBILISATION*

Total deposits of the Bank grew by 12.34% to Rs.25,463 crores as on 31.3.2003 from Rs.22,666 crores as on 31.3.2002.

Low cost deposits (Current and Savings Bank deposits) formed 43.2% of total deposits as on 31.3.2003 as compared to 42.3% a year ago. In order to improve profitability in this low interest rate regime, the Bank stressed mobilization of low cost deposits throughout the year.

### *CREDIT DEPLOYMENT*

The Bank registered a significant growth in total advances by 19.3% to reach the level of Rs.13,487 crores as on 31.3.2003 from Rs.11,305 crores as on 31.3.2002. Credit-deposit ratio (gross) increased from 49.9% to 53.0%. Prime lending rate of the Bank reduced from 12% to 11.5% during the year. Yield on advances was at 10.11% during 2002-03 as against 10.59% during 2001-02.

### *CREDIT MONITORING AND REVIEW*

The Bank took adequate measures to improve the quality of credit portfolio. Early identification and monitoring were



www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

## अनुपयोज्य आस्तियों (एनपीए) का प्रबंधन

भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुजा बैंक ने एक समुचित एनपीए प्रबंधन नीति बनाई है। बैंक ने प्रतिभूतिकरण अधिनियम 2002 तथा अन्य योजनाओं जैसे संशोधित भा.रि.बैंक ओटीएस योजना, सरकार द्वारा प्रायोजित मामलों के लिए विशेष ओटीएस योजना, लोक अदालतों के जरिए निपटारा इत्यादि से लाभ ग्रहण करने हेतु एक हर संभव प्रयास किया है।

एनपीए में कुल कमी 2001-02 के दौरान रु.350.08 करोड़ की जगह 2002-03 के दौरान रु. 570.95 करोड़ हुई। सकल एनपीए यथास्थिति 31.3.2002 को रु. 2,001.85 करोड़ से घटकर यथास्थिति 2003 को रु.1,841.50 करोड़ हो गया। यथास्थिति 31.3.2002 को निवल एनपीए 11.09% की जगह यथास्थिति 31.3.2003 को निवल अग्रिमों का निवल एनपीए 7.08% हुआ तथा इस अवधि के दौरान सकल एनपीए 17.71% से घटकर 13.65% हो गया।

## सामाजिक बैंकिंग

बैंक ने सामाजिक ऋणदान में अपनी उत्कृष्टता बनाए रखा। प्राथमिकता क्षेत्र तथा कमजोर वर्गों को ऋण में बैंक का कार्यनिष्पादन सारणी १ एवं सारणी २ में प्रस्तुत है :

### सारणी 1 : प्राथमिकता क्षेत्र ऋण

| क्षेत्र योजनाएँ | मार्च 2002 | | मार्च 2003 | |
|---|---|---|---|---|
| | खातों की सं. (लाख में) | राशि (करोड़ में) | खातों की सं. (लाख में) | राशि (करोड़ में) |
| 1. प्राथमिकता क्षेत्र जिसमें से) | 8.32 | 4,885 | 9.29 | 5,629 |
| i) कृषि | 4.01 | 1,994 | 4.64 | 2,250 |
| - प्रत्यक्ष | 3.99 | 1,345 | 4.59 | 1,607 |
| - अप्रत्यक्ष | 0.02 | 649 | 0.05 | 643 |
| ii) लघु उद्योग जिसमें से छोटी यूनिटें | 1.07 | 852 | 1.03 | 889 |
| (छोटे, कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग) | 0.85 | 294 | 0.86 | 270 |
| iii) अन्य | 3.47 | 2,039 | 3.62 | 2,490 |
| 2. अजा/अजजा को ऋण (कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण में से) | 3.07 | 387 | 3.14 | 475 |
| 3. कमजोर वर्ग | 6.21 | 793 | 7.04 | 1,116 |
| 4. विभेदक ब्याज दर योजना | 0.63 | 32 | 0.96 | 29 |

### सारणी 2 : अनुपात (प्रतिशत में)

| महत्वपूर्ण अनुपात | राष्ट्रीय लक्ष्य | मार्च 2002 | मार्च 2003 |
|---|---|---|---|
| निवल बैंक ऋण में प्राथमिकता क्षेत्र | 40.0 | 44.4 | 42.3 |
| निवल बैंक ऋण में कृषि | 18.0 | 18.1 | 16.9 |

## कृषि

2002-03 के दौरान कृषि क्षेत्र में बैंक का ऋण रु.1,994 करोड़ से बढ़कर रु.2,250 करोड़ हो गया जो 12.8% की वृद्धि है। कृषि ऋण निवल बैंक ऋण का 16.9% है।

## किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)

किसान क्रेडिट कार्ड के कार्यान्वयन में 2002-03 के दौरान बैंक की प्रगति उत्साहजनक थी। कुल रु.251.93 करोड़ की ऋण राशि की 98,029 कार्ड जारी किए गए। यथास्थिति 31.3.2003 कुल रु.814.9 करोड़ की ऋण सीमा के साथ केसीसी की संचयी संख्या 2,84,333 के स्तर पर पहुँच गई।

कृषि प्रयोजनार्थ भूमि की खरीद हेतु किसानों को वित्त प्रदान करने की योजना छोटें एवं सीमांत किसानों, बटाईदारों, काश्तकारों को भूमि की

ensured for accounts, showing incipient weakness to facilitate timely prevention of slippage.

## *NON-PERFORMING ASSETS (NPAs) MANAGEMENT*

Taking cue from Reserve Bank of India guidelines, the Bank has formulated an adequate NPAs management policy. The Bank made an all-out effort to take advantage of the Securitisation Act, 2002 and other schemes e.g. Revised RBI OTS Scheme, Special OTS Scheme for Government Sponsored Cases, settlement through Lok Adalats etc.

Total reduction of NPAs amounted to Rs.570.95 crores during 2002-03 as against Rs.350.08 crores during 2001-02. The gross NPAs reduced from Rs.2,001.85 crores as on 31.3.2002 to Rs.1,841.50 crores as on 31.3.2003. Net NPAs formed 7.08% of net advances as on 31.3.2003 as against 11.09% as on 31.3.2002 and gross NPAs reduced from 17.71% to 13.65% during the period.

## *SOCIAL BANKING*

The Bank continued to excel its performance in social lending. The Bank's performance under Priority Sectors and Weaker Sections is presented in Table 1 and Table 2.

### Table 1: Priority Sector Credit

| Sector/Schemes | March 2002 | | March 2003 | |
|---|---|---|---|---|
| | Number of Accounts (in lakhs) | Amount (Rs. crores) | Number of Accounts (in lakhs) | Amount (Rs. crores) |
| 1. Priority Sector of which | 8.32 | 4,885 | 9.29 | 5,629 |
| i) Agriculture | 4.01 | 1,994 | 4.64 | 2,250 |
| - Direct | 3.99 | 1,345 | 4.59 | 1,607 |
| - Indirect | 0.02 | 649 | 0.05 | 643 |
| ii) Small Scale Industries | 1.07 | 852 | 1.03 | 889 |
| Of which Small Units (Tiny, Cottage & Village Industries) | 0.85 | 294 | 0.86 | 270 |
| iii) Others | 3.47 | 2,039 | 3.62 | 2,490 |
| 2. SC/ST Credit (Out of total Priority Sector Credit) | 3.07 | 387 | 3.14 | 475 |
| 3. Weaker Sections | 6.21 | 793 | 7.04 | 1,116 |
| 4. Differential Rate of Interest Scheme | 0.63 | 32 | 0.96 | 29 |

### Table 2: Ratios ( in per cent)

| Important Ratios | National Goal | March 2002 | March 2003 |
|---|---|---|---|
| Priority Sector to Net Bank Credit | 40.0 | 44.4 | 42.3 |
| Agriculture to Net Bank Credit | 18.0 | 18.1 | 16.9 |

## Agriculture

The Bank's advances to agriculture sector increased from Rs.1,994 crores to Rs.2,250 crores during 2002-03, recording a growth of 12.8%. Agriculture credit formed 16.9% of net bank credit.

### *Kisan Credit Card (KCC)*

The progress of the Bank in implementation of Kisan Credit Card was heartening during 2002-03, with issuance of 98,029 cards involving a credit limit of Rs.251.93 crores. The



www.reportjunction.com